ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

17-03-2026

जैसे आपस में दो मित्र होते हैं तो उनके बीच यदि कोई उनकी ग्लानि करने आता है तो वह उसके भाव को बदल देते हैं। जहाँ निश्चय होता है वहाँ शब्द का भाव बदल साधारण बात हो जाती है। तो हरेक की विशेषता को देखो तब अनेक होते भी एक दिखाई देंगे। एकमत संगठन हो जायेगा। कोई किसके ग्लानि की बातें सुनाये तो उसे टेका देने के बजाए सुनाने वाले का रूप परिवर्तन करदो।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

When someone defames one of two friends, then the other friend would completely transform his attitude. Where there is faith, the meaning of words can be changed and the situation made small. So, see each one's specialities and although you are many you will then all be seen to be united. The gathering will be united in one direction. When someone tells you anything defamatory about anyone else, then, instead of supporting him, transform the attitude of the one saying it.